मैं तुम से सच कहता हूं, कि जहां कहीं यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा, वहां यह भी जो उस ने किया है उसके स्मरण के लिथे चर्चा की जाएगी। मार्क 14:9

चार सत्य हैं जनि्हें हमें पूरी तरह से समझने की आवश्यकता है:

1 भगवान तुम्हे प्यार करते है

परमेश्वर चाहता है कि आप उसके साथ स्वर्ग में अनन्त जीवन पाएं।
क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दयिा, ताकि जो कोई उस पर वशि्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए। यूहन्ना 3:16

परमेश्वर चाहता है कि आपका जीवन प्रचुर और अर्थपूर्ण हो।
चोर कसिी और काम के लयि नहीं परन्तु केवल चोरी करने और घात करने और नष्ट करने को आता है। मैं इसलयि आया कि वे जीवन पाएं, और बहुतायत से पाएं। यूहन्ना 10:10

हालांकि, बहुत से लोग एक सार्थक जीवन का अनुभव नहीं करते हैं और अनंत जीवन के बारे में अनशि्चति हैं क्योंकि...

2 मनुष्य स्वभाव से पापी है। इसलिए वह भगवान से अलग हो गया है।

इसलयि कि सिब ने पाप कयिा है और परमेश्वर की महमिा से रहति हैं। रोमयिों 3:23
क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है... रोमयिों 6:23

और जैसे मनुष्यों के लयि एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नयिुक्त है। इब्रानयिों 9:27
पर डरपोकों, और अवशि्वासयिों, और घनिौनों, और हत्यारों, और व्यभचिारयिों, और टोन्हों, और मूर्तपूजकों, और सब झूठों का भाग उस झील में मलिेगा, जो आग और गन्धक से जलती रहती है: यह दूसरी मृत्यु है॥ प्रकाशति वाक्य 21:8

यदि मनुष्य अपने पाप के कारण परमेश्वर से अलग हो जाता है, तो इस समस्या का समाधान क्या है?
हम अक्सर इन्हें समाधान के रूप में सोचते हैं:
धर्म, अच्छे कर्म, नैतिकता
हालांकि, भगवान द्वारा प्रदान किया गया केवल एक ही समाधान है।

3 यीशु मसीह ही स्वर्ग का एकमात्र मार्ग है।

यीशु ने उस से कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन मैं ही हूं; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुंच सकता। यूहन्ना 14:6
इसलिये कि मसीह ने भी, अर्थात अधर्मियों के लिये धर्मी ने पापों के कारण एक बार दुख उठाया, ताकि हमें परमेश्वर के पास पहुंचाए: वह शरीर के भाव से तो घात किया गया, पर आत्मा के भाव से जिलाया गया। 1 पतरस 3:18
जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र की नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है॥ यूहन्ना 3:36
हालाँकि, केवल यह जानना पर्याप्त नहीं है कि यीशु मसीह ने हमारे लिए क्या किया है।

4 हमें अपने उद्धार के लिए प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास रखना चाहिए।

हमारा उद्धार यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा परमेश्वर की कृपा से संभव हुआ है।
क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। इफिसियों 2:8-9

ईश्वर से यह प्रार्थना विश्वास के साथ कहें:
प्रभु यीशु, मेरे लिए आपके महान प्रेम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैं एक पापी हूँ और मैं क्षमा माँगता हूँ। मेरे पापों के दंड का भुगतान करने के लिए क्रूस पर मरने के लिए धन्यवाद। मैं आपके मृतकों में से जी उठने में विश्वास करता हूं। अब से, मैं आप पर अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा करता हूं। मैं आपके अनन्त जीवन के उपहार को स्वीकार करता हूँ और मैं अपना जीवन आपको समर्पित करता हूँ। तेरी आज्ञाओं का पालन करने और तेरी दृष्टि में अच्छा होने में मेरी सहायता कर। तथास्तु।

यदि आप यीशु मसीह में विश्वास करते हैं, तो आपके साथ निम्नलिखित हुआ है:
• आपके पास परमेश्वर के साथ अनन्त जीवन है।
क्योंकि मेरे पिता की इच्छा यह है, कि जो कोई पुत्र को देखे, और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए; और मैं उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊंगा। यूहन्ना 6:40
• आपके सभी पाप क्षमा कर दिए गए हैं।
(भूतकाल वर्तमानकाल भविष्यकाल)
उसी ने हमें अन्धकार के वश से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया। जिस में हमें छुटकारा अर्थात पापों की क्षमा प्राप्त होती है। कुलुस्सियों 1:13-14
• आप परमेश्वर की दृष्टि में बिल्कुल नए प्राणी हैं।
यह आपके नए जीवन की शुरुआत है।
सो यदि कोई मसीह में है तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, वे सब नई हो गईं। 2 कुरिन्थियों 5:17
• अब तुम परमेश्वर की सन्तान हो।
परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उस ने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। यूहन्ना 1:12

अच्छे कर्म करना मोक्ष का साधन नहीं है, बल्कि हमारे उद्धार का प्रमाण है।